कंपनी रजिस्टर्ड अपने इनोवेशन को सफल स्टार्टअप में बदल सकेंगे विद्यार्थी, शिक्षा के साथ उद्यमिता के क्षेत्र में होंगे आत्मनिर्भर

युवाओं को स्वरोजगारी बनाने विश्वविद्यालय में बनाई कंपनी

नईदुनिया प्रतिनिधि, जगदलपुर: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नवाचार व उद्यमिता के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए मिनिस्ट्री आफ कार्पोरेट अफेयर में एसएमकेवि इन्क्यूबेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन नाम से अपनी कंपनी रजिस्टर्ड कराई है। यह गैर सरकारी कंपनी विद्यार्थियों के रोजगार व स्वयं के व्यापार को स्थापित करने के लिए कार्य करेगी।

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत रजिस्टर्ड इस कंपनी में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव डा. राजेश लालवानी व सहायक कुलसचिव केजूराम ठाकुर डायरेक्टर होंगे। बुधवार को नव रजिस्टर्ड कंपनी के बोर्ड की पहली बैठक विवि के प्रशासनिक भवन के सभागार में हुई। इसमें कंपनी के कंसल्टेंट, विवि के संबंधित अधिकारियों व आईआइसी मेंबर्स की उपस्थिति में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई।

कंपनी के बोर्ड की पहली बैठक में मौजूद कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव व अन्य व्याख्याता।

कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि इस पहल से न केवल विद्यार्थी स्वरोजगारी और आत्मनिर्भर बन सकेंगे बल्कि ऐसी कंपनियां भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी उल्लेखनीय सहयोग करेंगी। विद्यार्थी विवि के आइआइसी इकाई और कंपनी की मदद से अपने व्यवसाय व विचार को कारोबार में बदल सकेंगे। साथ ही वे नए स्टार्टअप माडल विकसित करने में सफल होंगे। इसके लिए उन्हें मेंटरशिप, संसाधन व इन्वेस्टमेंट के लिए फाइनेंस भी आसानी से मिल जाएंगे। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी की सहायता से विवि अपने विद्यार्थियों के लिए स्वरोजगार व आत्मनिर्भरता का माध्यम बनेगा। उन्हें एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में हर संभव सहयोग दे सकेगा।

प्रो. श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि एनईपी 2020 के मल्टीडिसिप्लिनरी पाठ्यक्रम में इनोवेशन और इंटरप्रोन्योरशिप को एकीकृत किया गया है। विद्यार्थियों को रचनात्मक रूप से सोचने और समाज की समस्याओं को हल करने में अपने ज्ञान को उपयोग करने पर बल दिया गया है। भारत के शैक्षिक परिदृश्य को बदलने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एनईपी 2020 में विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के नियम बनाए गए हैं।

एनईपी 2020 के नियमानुसार विवि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेंटर (आइआइसी) की स्थापना की गई है। पिछले महीने आइआइसी क्वार्टर टू के तहत विभिन्न प्रभावी आयोजन भी किए गए हैं। अब इन कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए कंपनी रजिस्टर्ड कराई गई है।

जानकारी के अनुसार कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत गैर लाभकारी कंपनियां पंजीकृत होती हैं। इन कंपनियों का उद्देश्य कला, विज्ञान, अनुसंधान, धर्म, खेल, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना होता है।

युवाओं को स्वरोजगारी बनाने के उद्देश्य से शमक विवि में कंपनी रजिस्टर्ड

जगदलपुर, 27 मार्च (देशबन्धु)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत विद्यार्थियों को एजुकेशन के साथ-साथ नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय ने एक और महत्वपूर्ण पहल किए हैं। विवि ने मिनिस्ट्री ऑफ कार्पोरेट अफेयर में एसएमकेवि इंक्यूवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन नाम से अपनी कंपनी रजिस्टर्ड कराया है। यह गैर सरकारी कंपनी विद्यार्थियों के रोजगार एवं स्वयं के व्यापार को स्थापित करने हेतु कार्य करेगी। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत रजिस्टर्ड इस कंपनी में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी एवं सहायक कुलसचिव केजूराम ठाकुर डायरेक्टर होंगे। बुधवार को नव रजिर्स्ड कंपनी के बोर्ड की पहली बैठक विवि के प्रशासनिक भवन के सभागार में हुई। इसमें कंपनी के कंसल्टेंट, विवि के संबंधित अधिकारियों एवं आईआइसी मेंबर्स

अपने इनोवेशन को सफल स्टार्टअप में बदल सकेंगे स्टूडेंट्स

की उपस्थिति में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई।

कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि इस पहल से न केवल विद्यार्थी स्वारोजगारी और आत्मनिर्भर बन सकेंगे बल्कि ऐसी कंपनियां भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी उल्लेखनीय सहयोग करेगी। विद्यार्थी विवि के आईआईसी इकाई और कंपनी की मदद से अपने व्यवसाय एवं विचार को कारोबार में बदल सकेंगे। साथ ही वे नए स्टार्टअप मॉडल विकसित करने में सफल होंगे। इसके लिए उन्हें मेंटरशिप, संसाधन एवं इन्वेस्टमेंट हेतु फाइनेंस भी आसानी से मिल जाएंगे। प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी की सहायता से विवि अपने विद्यार्थियों के लिए स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता का माध्यम बनेगा। उन्हें एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में हर संभव सहयोग दे सकेगा। प्रो. श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि एनईपी 2020 के मल्टीडिसिप्लीनरी पाठ्यक्रम में इनोवेशन और इंटरप्रयोनरशिप को एकीकृत किया गया है। विद्यार्थियों को रचनात्मक रूप से सोचने और समाज की समस्याओं को हल करने में अपने ज्ञान को उपयोग करने पर बल दिया गया है। भारत के शैक्षिक परिदृश्य को बदलने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एनईपी 2020 में विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के नियम बनाए गए हैं। एनईपी 2020 के नियमानुसार विवि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशनल इंक्यूवेशन सेंटर (आईआईसी) की स्थापना की गई है। पिछले महीने आईआईसी चार्टर टू के तहत विभिन्न प्रभावी आयोजन भी किए गए हैं। अब इन कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए कंपनी रजिस्टर्ड कराई गई है। जानकारी के अनुसार कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत गैर लाभकारी कंपनियां पंजीकृत होती हैं। इन कंपनियों का उद्देश्य कला, विज्ञान, अनुसंधान, धर्म, खेल, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना होता है।

#employment&enovation कंपनी को एसएमकेवी इंक्यूवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन नाम

रोजगार व इनोवेशन के लिए विवि ने अब बना डाली खुद की कंपनी

कंपनी के बोर्ड की हुई बैठक, कुलपति और कुलसचिव कंपनी के डायरेक्टर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गुरुवार को विवि के सभागार में कंपनी के बोर्ड की पहली बैठक आयोजित हुई।

जगदलपुर . बस्तर विश्वविद्यालय ने खुद की कंपनी रजिस्टर्ड कर ली है। इस कंपनी को एसएमकेवी इंक्यूवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन नाम दिया गया है। यूनिवर्सिटी के छात्र रोजगार के लिए तैयार हों और इनोवेशन कर सकें इसलिए यह पहल की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थियों को एजुकेशन के साथ-साथ नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विवि ने मिनिस्ट्री ऑफ कार्पोरेट अफेयर में एसएमकेवि इंक्यूवेशन एंड स्टार्टअप फाउंडेशन नाम से अपनी कंपनी रजिस्टर्ड कराई है। यह गैर सरकारी कंपनी विद्यार्थियों के रोजगार एवं स्वयं के व्यापार को स्थापित करने का काम करेगी।

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के तहत रजिस्टर्ड इस कंपनी में कुलपति प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. राजेश लालवानी एवं सहायक कुलसचिव केजूराम ठाकुर डायरेक्टर बनाए गए हैं। बुधवार को इस कंपनी के बोर्ड की पहली बैठक विवि के प्रशासनिक भवन के सभागार में हुई। कंपनी के कंसल्टेंट, विवि के संबंधित अधिकारियों एवं आईआइसी मेंबर्स की उपस्थिति में कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने बताया कि इस पहल से न केवल विद्यार्थी स्वारोजगारी और आत्मनिर्भर बन सकेंगे बल्कि ऐसी कंपनियां भारतीय अर्थव्यवस्था के विस्तार में भी उल्लेखनीय सहयोग करेगी। विद्यार्थी विवि के आईआईसी इकाई और कंपनी की मदद से अपने व्यवसाय एवं विचार को कारोबार में बदल सकेंगे। साथ ही वे नए स्टार्टअप मॉडल विकसित करने में सफल होंगे। इसके लिए उन्हें मेंटरशिप, संसाधन एवं इन्वेस्टमेंट हेतु फाइनेंस भी आसानी से मिल जाएंगे।

एनईपी 2020 की सोच के तहत पहल की गई

कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी की सहायता से विवि अपने विद्यार्थियों के लिए स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता का माध्यम बनेगा। उन्हें एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में हर संभव सहयोग दे सकेगा। प्रो. श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि एनईपी 2020 के मल्टीडिसिप्लीनरी पाठ्यक्रम में इनोवेशन और इंटरप्रयोनरशिप को एकीकृत किया गया है। विद्यार्थियों को रचनात्मक रूप से सोचने और समाज की समस्याओं को हल करने में अपने ज्ञान को उपयोग करने पर बल दिया गया है। भारत के शैक्षिक परिदृश्य को बदलने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एनईपी 2020 में विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के नियम बनाए गए हैं। एनईपी 2020 के नियमानुसार विवि में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूशनल इंक्यूवेशन सेंटर(आईआईसी)की स्थापना की गई है। पिछले महीने आईआईसी क्वार्टर टू के तहत विभिन्न प्रभावी आयोजन भी किए गए हैं। अब इन कार्यों को और प्रभावी बनाने के लिए कंपनी रजिस्टर्ड कराई गई है। जानकारी के अनुसार कंपनी अधिनियम के तहत रजिस्ट्रेशन होगा।